भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2821

जिसका उत्तर 12.08.2026 को दिया जाना है

पर्वतमाला परियोजना का कार्यान्वयन

2821 श्रीमती संगीता यादव:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने पर्वतमाला परियोजना के कार्यान्वयन की समीक्षा की है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) विशेष रूप से पहाड़ी और दुर्गम भू-भागों में रोपवे परियोजनाओं के विकास में अब तक क्या प्रगति हुई है;

(घ) क्या सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के माध्यम से रोपवे परियोजनाओं को सुगम बनाने और क्षेत्रीय संपर्कता को बढ़ाने के लिए उपाय शुरू किए गए हैं; और

(ङ) पहाड़ी क्षेत्रों में पर्यटन, अंतिम छोर तक संपर्कता और आर्थिक विकास पर इस परियोजना के अपेक्षित प्रभाव का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (ङ) सरकार ने केंद्रीय बजट 2022-23 में पर्वतमाला परियोजना के तहत राष्ट्रीय रोपवे विकास कार्यक्रम की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य पहाड़ी क्षेत्रों में अंतिम छोर तक सम्पर्कता (कनेक्टिविटी) को बेहतर बनाने के लिए रोपवे का विकास करना है। दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में पारंपरिक सड़कों के स्थान पर रोपवे पारिस्थितिक रूप से एक दीर्घकालिक विकल्प है। इसका उद्देश्य पर्यटन को बढ़ावा देने के अलावा यात्रियों के लिए कनेक्टिविटी और सुविधा को उन्नत करना है। इससे भीड़भाड़ वाले शहरी क्षेत्रों को भी कवर किया जा सकता है, जहां पारंपरिक सार्वजनिक परिवहन प्रणाली व्यवहार्य नहीं है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 15 प्राथमिकता प्राप्त रोपवे परियोजनाओं की स्थिति और उनकी प्रगति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है। पर्वतमाला परियोजना के अंतर्गत रोपवे परियोजनाओं के कार्यान्वयन की कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा विभिन्न हितधारकों के साथ नियमित आधार पर निगरानी की जाती है।

परियोजनाएं मुख्य रूप से हाइब्रिड एन्युइटी मोड (एचएएम), डिज़ाइन-निर्माण-वित्त-संचालन और हस्तांतरण (डीबीएफओटी) मोड और इंजीनियरी, प्रापण और निर्माण (ईपीसी) मोड के तहत कार्यान्वित की जाती हैं। रियायत अवधि के दौरान निर्माण, संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी रियायतग्राही की होती है। रियायती करार के निबंधन के अनुसार एचएएम के तहत, संपूर्ण राजस्व प्राधिकरण द्वारा एकत्र किया जाता है और डीबीएफओटी के अंतर्गत राजस्व रियायतग्राही द्वारा एकत्र किया जाता है।

पर्वतमाला परियोजना के अंतर्गत रोपवे परियोजनाओं को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की तकनीकी-वित्तीय परिणामों, निर्धारित तकनीकी और वित्तीय मानदंडों की पूर्ति, कनेक्टिविटी की आवश्यकता, यातायात घनत्व, पारिस्थितिक प्रभाव और पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के साथ तालमेल के आधार पर आरंभ किया जाता है।

पर्वतमाला परियोजना का कार्यान्वयन के संबंध में श्रीमती संगीता यादव द्वारा दिनांक 12/08/2026 को पूछे गए राज्यसभा के अतारांकित प्रश्न संख्या 2821 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

क्र मांक	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र	ज़िला	रोपवे परियोजना का नाम (लंबाई, एल)	मोड	परियोजना लागत (करोड़ रुपये में)	पूरा होने की संभावित तिथि	स्थिति / टिप्पणियाँ
1	उत्तर प्रदेश	वाराणसी	वाराणसी (लंबाई - 3.85 किमी)	एचएएम	815.58	नवंबर 2026	कार्यान्वयन के अधीन
2	उत्तर प्रदेश	प्रयागराज	संगम प्रयागराज (लंबाई-2.2 किमी)	एचएएम	230.00	अप्रैल 2027	कार्यान्वयन के अधीन
3	हिमाचल प्रदेश	कुल्लू	बिजली महादेव (लंबाई-2.32 किमी)	एचएएम	283.92	प्राधिकरण द्वारा समाप्ति का आशय पत्र जारी किया गया।	परियोजना सौंप दी गई है लेकिन स्थानीय विरोध के कारण इस पर पुनर्विचार किया जा रहा है।
4	मध्य प्रदेश	उज्जैन	महाकालेश्वर मंदिर, उज्जैन (एल-1.76 किमी)	एचएएम	272.03	प्राधिकरण द्वारा समाप्ति का आशय पत्र जारी किया गया। डीबीएफओटी मोड पर पता लगाया जा रहा है।	परियोजना का डीबीएफओटी मोड पर पुनर्विचार किया जा रहा है।
5	मध्य प्रदेश	सागर	टिकिटोरिया माता मंदिर (लंबाई - 0.15 किमी)	ईपीसी	21.89	जुलाई 2027	कार्यान्वयन के अधीन
6	हरियाणा	महेंद्रगढ़	धोसी पहाड़ी (लंबाई-0.88 किमी)	एचएएम	67.90	मार्च 2027	कार्यान्वयन के अधीन
7	जम्मू और कश्मीर	श्रीनगर	शंकराचार्य मंदिर (लंबाई -1.05 किमी)	एचएएम	147.23	रियायतग्राही की नियत तिथि से 2 वर्ष	अनुमोदित और बोली प्रक्रिया के अधीन है।

क्र मांक	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र	ज़िला	रोपवे परियोजना का नाम (लंबाई, एल)	मोड	परियोजना लागत (करोड़ रुपये में)	पूरा होने की संभावित तिथि	स्थिति / टिप्पणियाँ
8	उत्तराखंड	रुद्रप्रयाग	केदारनाथ (लंबाई-12.9 किमी)	डीबीएफओटी	4081.28	मई-2032	परियोजना आवंटित की गई है
9	उत्तराखंड	चमोली	हेमकुंड साहिब जी (लंबाई-12.4 किमी)	डीबीएफओटी	2730.13	मई-2032	परियोजना आवंटित की गई है
10	महाराष्ट्र	नागपुर	रामटेक गढ़ मंदिर (लंबाई - 0.64 किमी)	एचएएम	151.50	नियत तिथि से 1.5 वर्ष	अनुमोदित और बोली प्रक्रिया के अधीन है।
11	असम	कामरूप	कामाख्या देवी मंदिर (लंबाई -1.43 किमी)	डीबीएफओटी	213.24	नियत तिथि से 1.5 वर्ष	अनुमोदित और बोली प्रक्रिया के अधीन है।
12	उत्तराखंड	नैनीताल	काठगोदाम - नैनीताल (लंबाई-14.9 किमी)	-	-	-	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पर कार्य चल रहा है।
13	महाराष्ट्र	नासिक	पेगलवाड़ी - ब्रह्मगिरि (लंबाई -3.96 किमी)	-	-	-	
14	अरुणाचल प्रदेश	तवांग	तावांग रोपवे (लंबाई - 5.15 किमी)	-	-	-	
15	गुजरात	गांधीनगर	गिफ्ट सिटी (लंबाई-2.35 किमी)	-	-	-	

*****